अग्रोहा - हम सबका गौरव

कुलदेवी महालक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेन मंदिर का भव्य प्रवेशद्वार

अग्रोहा महाराजा अग्रसेन की गौरवमयी राजधानी है, जहाँ से महाराजा अग्रसेन का समता, सद्भाव, सहयोग, भाईचारे, अहिंसा, प्रेम और एक ईंट–एक रुपया का महान संदेश, विश्व के मानव मात्र में गुंजित हुआ, जो विश्व में बेजोड़ है।

- अग्रोहा अग्रवालों की पितृभूमि, तीर्थ स्थान और पांचवा धाम हैं, जिसके कण–कण में शौर्य, त्याग, अध्यात्मक, पुरातत्व, वीरता, मानव मात्र के प्रति प्रेम की सहस्त्र–सहस्त्र धाराएं फूटीं और जिनके कारण इस धरा का नाम युगों–युगों तक स्मरण किया जाता रहेगा।
- अग्रोहा उन महान अग्रवालों की आदिस्थली है, जिनके उद्योग, साहस, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, दान परोपकार, सहिष्णुता, राष्ट्रप्रेम आदि द्वारा भारत के स्वर्णिम इतिहास का निर्माण हुआ, जो इतिहास की अमूल्य धरोहर है।
- अग्रोहा का अग्रवाल–समाज के इतिहास में वही स्थान है, जो ईसाइयों के लिए वेटिकन सिटी, मुसलमानों के लिए मक्का–मदीना, यहूदियों के लिए यरुशलम और सिक्खों के लिए ननकाना साहिब का है।
- अग्रोहा अग्रवालों के लिए संगठन, एकता और जागरण का वह प्रेरणास्त्रोत है, जिसके ध्वज तले एकत्र हो अग्र वैश्य–समाज समानता के आधार पर संपूर्ण विश्व में अपनी गौरव गरिमा पुनः प्रतिष्ठापित कर सकता है।
- अग्रोहा अग्रवालों की पवित्र भूमि और पांचवा धाम ही नही, विश्व के मानव मात्र के लिए प्रेरणास्त्रोत भी है, जहाँ से समता, भ्रातृत्व, सहिष्णुता, लोकतंत्र, सहकारिता, सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय, एक सबके लिए, सब एक के लिए का संदेश अणुबम्बो, हिंसा, द्वेष घृणा से संत्रस्त मानवता को प्राप्त हो रहा है।
- अग्रोहा महाराजा अग्रसेन, कुलदेवी महालक्ष्मी, विद्यादायिनी सरस्वती, शीतलामाता, अन्य बड़े–बड़े मंदिरों एवं दर्शनीय स्थलों की नगरी है, जिनके दर्शन मात्र से मन को अद्भुत शांति मिलती है और सुखानुभूति होती है। अग्रोहा महाराजा अग्रसेन, सेठ हरभजशाह, माता शीला जैसी वीर–वीरांगनाओं के आर्शीवाद से परिपूर्ण धरती है।

आओ! अग्रोहा को महान् बनाएं!